



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 95

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 25, 1986/फाल्गुन 6, 1907

No. 95 NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 25, 1986/PHALGUNA 6, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

श्रम मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1986

सा. का. नि. 316(अ).—अन्तर्राष्ट्रियक प्रवासी कर्मकार (नियोजन का विनियमन और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1979 (1979 का 30) की धारा 35 की उप-धारा (1) की अपेक्षाओं के अनुसार, अन्तर्राष्ट्रियक प्रवासी कर्मकार (नियोजन का विनियमन और सेवा की शर्तें) केन्द्रीय नियम, 1980 में संशोधन करने के लिए एक मसौदा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 656, तारीख 21 जून, 1985 के तहत भारत के राजपत्र, भाग-2, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में तारीख 6 जुलाई, 1985 को प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों में, जिनकी उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से तीन माह की अवधि के अवसान तक आक्षेप और सूझाव आमंत्रित किए गए थे, और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां आम जनता को 21 जून, 1985 को उपलब्ध करा दी गई थी, तथा केन्द्रीय सरकार ने जनता से प्राप्त आक्षेपों और सूझावों पर विचार कर लिया है;

अतः, जब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 35 द्वारा उक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त नियमों में निम्न-लिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अन्तर्राष्ट्रियक प्रवासी कर्मकार (नियोजन का विनियमन और सेवा की शर्तें) केन्द्रीय (संशोधन) नियम, 1986 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. अन्तर्राष्ट्रियक प्रवासी कर्मकार (नियोजन का विनियमन और सेवा की शर्तें) केन्द्रीय नियम, 1980 में उक्त कहीं भी यह शब्द कि "उसका विनिश्चय अंतिम होगा" या "उस पर उसका विनिश्चय अन्तिम होगा" शब्द आए, उनका लोप कर दिया जाए।

3. (क) उक्त नियमों के नियम 10 में विद्यमान उप-नियम (2) को उप नियम (3) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाए।

(ख) उक्त नियमों के नियम 10 के उप नियम (1) के लिए निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) जहां आज्ञापन अधिकारी का समाधान हो जाता है कि किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा, जिसे अनुज्ञप्ति के लिए अवेदन किया है या जिसे अनुज्ञप्ति जारी की गई है, अनुज्ञप्ति की शर्तों के सम्यक् पालन के लिए प्रतिभूति दी जानी चाहिए, वहां वह प्रवासी कर्मकारों की भर्ती या नियोजन के लिए अपेक्षित रकम की व्यवस्था करने के लिए निम्नलिखित कारणों के आधार पर प्रादक-कलन तैयार करेगा, अर्थात् :—

(1) नियम 25 के साथ पठित नियम 11 के उप नियम (2) के खंड (5) के अधीन संदेय एक मजदूरी कालावधि के बराबर मजदूरी ;

(2) नियम 37 के अधीन चिकित्सीय सुविधाओं की व्यवस्था ;

(3) नियम 38 के अधीन जहां भी वह लागू हो संरक्षक कपड़ों की व्यवस्था ;

(4) नियम 42 और 43 के साथ पठित नियम 39 के अधीन पीने का पानी, शौचालय, मूत्रालय और कपड़े धोने संबंधी सुविधाओं की व्यवस्था ;

(5) नियम 40 के अधीन जहां भी वह लागू हो, विश्राम कक्षों की व्यवस्था ;

(6) नियम 4 के अधीन, जहां भी वह लागू हो, कैंटीनों की व्यवस्था ;

(7) नियम 44 के अधीन, जहां भी वह लागू हो, शिशु कक्षों की व्यवस्था ;

(8) नियम 45 के अधीन निवास स्थान की व्यवस्था ;

(9) धारा 15 के अधीन यात्रा भत्ता ;

(10) नियोजित या भर्ती किए गए प्रवासी कर्मकारों की संख्या ; और

(11) कार्य की अवधि ;

(2) अनुज्ञापन अधिकारी ऐसे व्यक्ति की संशोधनक्षमता पर विचार करने के पश्चात प्रतिभूति की रकम का अवधारण करेगा जो ऐसे व्यक्ति द्वारा दी जानी है, यह रकम उच्च अधिकारी द्वारा उपरोक्त उप-नियम (1) के अनुसार प्रादककलित रकम के चालीम प्रतिशत से अधिक नहीं होगी” ;

4. उक्त नियमों के अध्याय 7 के पश्चात निम्नलिखित अध्याय जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“अध्याय—8

अपील

59. (1) नियम 11 के उप नियम (2) के खंड (7) के परन्तुक, नियम 25, नियम 36 के उप नियम (2) और नियम 45 के उप नियम (6) के अधीन जारी किए गए आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति, ऐसा आदेश उसे संसूचित होने की तारीख से 30 दिन के भीतर मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय), की पास उस आदेश के विरुद्ध अपील कर सकता है ;

परन्तु यदि मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) का समाधान है कि अपीलार्थी समय पर अपील दायर करने में पर्याप्त कारणों से निवारित रहा था तो वह उक्त 30 दिनों की अवधि के अवसान के पश्चात् भी अपील स्वीकार कर सकता है ।

(2) उप नियम (1) के अधीन अपील प्राप्त होने पर मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय), अपीलार्थी को सूनाई का अवसर देने के पश्चात् अपील को यथा संभव शीघ्र निपटाएगा ।”

[संख्या एम. - 43011-1/83-एल. डब्ल्यू.]

ए. के. श्रीवास्तव, महानिदेशक, (श्रम कल्याण)

संयुक्त सचिव

पाद-टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना संख्या सा.क.न. 514(अ) तारीख 11 अगस्त, 1980 द्वारा भारत के राजपत्र, साधारण भाग-2, खण्ड 3 (i) में पृष्ठ 191-930 पर तारीख 4 सितम्बर, 1980 को प्रकाशित किए गए थे ।

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th February, 1986

G.S.R. 316(E).—Whereas a draft further to amend the Inter-State Migrant Workmen (Regulation of Employment and Conditions of Service) Central Rules, 1980, was published, as required by sub-section (1) of section 35 of the Inter-State Migrant Workmen (Regulation of Employment and Conditions of Service) Act, 1979 (30 of 1979), in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (i), dated the 6th July, 1985 with the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. GSR-656, dated the 21st June, 1985 for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said Notification. Whereas the copies of the Gazette Notification were made available to the public on 21st June, 1985; and whereas objections and suggestions received from public have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by section 35 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendments in the said rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Inter-State Migrant Workmen (Regulation of Employment and Conditions of Service) Central (Amendment) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Inter-State Migrant Workmen (Regulation of Employment and Conditions of Service) Central Rules, 1980, the words “whose decision shall be final” or “whose decision thereon shall be final” wherever they occur, shall be omitted.

3.*(a) The existing sub-rule (2) of rule 10 of the said rules shall be renumbered as sub-rule (3).

(b) For sub-rule (1) of rule 10 of the said rules, the following shall be substituted, namely :—

“(1) Where the Licensing Officer is satisfied that any person who has applied for or who has been issued a licence should furnish security for the due performance of the conditions of the licence, he shall prepare an estimate of all the amount needed to provide for recruitment or employment of migrant workmen on the basis of the following factors, namely :—

- (i) Wages equivalent to one wage period payable under clause (v) of sub-rule (2) of rule 11, read with rule 25.
- (ii) Provision of Medical facilities under rule 37,
- (iii) Provision of protective clothing under rule 38, wherever applicable,
- (iv) Provision of drinking water, latrines, urinals and washing facilities under rule 39, read with rules 42 and 43.
- (v) Provision of rest rooms under rule 40, wherever applicable,
- (vi) Provision of canteens under rule 41, wherever applicable,
- (vii) Provision of creche under rule 44, wherever applicable,
- (viii) Provision of residential accommodation under rule 45,
- (ix) Journey allowance under section 15,
- (x) Number of migrant workmen employed or recruited, and
- (xi) Duration of work.

(2) The Licensing Officer shall determine the amount of the security to be furnished by such person, after considering the solvency of such person, not exceeding 40 per cent of the amount estimated by him in accordance with sub-rule (1) above.”

4. After Chapter—VII of the said rules, the following Chapter shall be added, namely :—

“Chapter VIII

APPEAL

59. (1) any person aggrieved by an order made under proviso to clause (vii) of sub-rule (2) of rule 11, rule 25, sub-rule (2) of rule 36. and sub-rule (6) of rule 45, within 30 days from the date of which order is communicated to him, may prefer an appeal to the Chief Labour Commissioner (Central):

Provided that the Chief Labour Commissioner (Central) may entertain the appeal after the expiry of the period of 30 days, if he is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing the appeal in time.

(2) On receipt of an appeal under sub-rule (1), the Chief Labour Commissioner (Central) shall after giving the appellant an opportunity of being heard, dispose of the appeal as expeditiously as possible.”

[No. S-45011/1/83-LW]

K. SRIVASTAVA, Director General
(Labour Welfare) [Jt. Secy.]

Foot Note :—Principal Rules were published vide Notification No. G.S.R. 514(E) dated 11th August, 1980 in Gazette of India Extraordinary dated 4th September, 1980—Part II—Section 3-Sub-section (i) pages 891—930 (both Hindi and English versions)